CAL Examination

अपभ्रंश व्याकरण (प्रारंभिक) एवं रचना

Paper- CAL-03

Time Allowed: Three Hours

Maximum Marks: 100

There are 50 multiple choice questions in this paper. Attempt all questions. Each question carries 2 marks. You have to answer the question by marking A/B/C/D in the OMR Sheet supplied to you along with the question paper. You must also darken the relevant option by making use of H. B. Pencil/ Blue Pen/ Black Pen. No marks will be deducted for wrong answer.

यह प्रश्न पत्र कुल 50 बहु वैकल्पिक प्रश्नों का है। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों है। आपकों प्रश्नों के उत्तर अस अथवा द का चयन करते हु ए प्रश्न पत्र के साथ ब/ दी ओसीट में दर्ज .आर.एम. नीले बाल पैन अथवा काले बाले बाल /पेन्सिल .बी.करने हैं। साथ ही सम्बन्धित गोले को भी एच पैन से भरा जाना है। गलत उत्तर के लिए अंकों की कटौती नहीं की जायेगी।

१ व्यंजनाक्षर का उदाहरण है-

(अ) ऊ (ब) ङ

(स) आ (द) ई

२ अपभ्रंश भाषा की वर्णमाला में स्वरों की संख्या मानी गई है-

(अ) १२ (ब) ९

(स) ८ (द) ५

३ अपभ्रंश भाषा में लिंग होते हैं-

(अ) तीन (ब) दो

(स) एक (द) चार

४ सामान्यतया अकारान्त शब्द होते हैं-

(अ) पुल्लिंग (ब) नपुंसकलिंग, स्त्रीलिंग

(स) स्त्रीलिंग (द) पुल्लिंग, नपुंसकलिंग

५ अपभ्रंश में वचन होते हैं-

(अ) मात्र एकवचन (ब) मात्र बहु वचन

(स) एकवचन व बहु वचन (द) एकवचन, द्विवचन, बहु वचन

६ अपभ्रंश व्याकरण के संज्ञा शब्दों में प्रयुक्त होने वाली विभक्तियाँ होती हैं-

(अ) ८ (ब)७

(स) ६ (द) ४

७ अपभ्रंश व्याकरण के सर्वनाम शब्दों में प्रयुक्त होनेवाली विभक्तियाँ होती हैं-

(अ) ६ (ब) ७

(स) ८ (द) ३

८ अमु शब्द है-

(अ) निश्चयवाचक सर्वनाम (ब) सम्बन्धवाचक सर्वनाम

(स) प्रश्नवाचक सर्वनाम (द) अन्य सर्वनाम

९ निजवाचक सर्वनाम का उदाहरण है-

(अ) आया (ब) स्वयं

(स) इम (द) हउं

१० सम्बन्धवाचक सर्वनाम का उदाहरण है-

(अ) जा (ब) अमु

(स) इयरा (द) अप्प

११ संज्ञा के जिस रूप से वस्तु की जाति का बोध होता है, उसे कहेंगे-

(अ) वस्तु जाति (ब) क्रिया

(स) लिंग (द) विशेषण

१२ ‘हम दोनों’ का अपभ्रंश अनुवाद है-

(अ) अम्हई (ब) अम्हइं

(स) अम्महु (द) अम्हु

१३ ‘मैं’ का अपभ्रंश रूप है-

(अ) हउं (ब) अम्मि

(स) अहम् (द) अहकं

१४ ‘तुम सब’ का अपभं्रश अनुवाद है-

(अ) तुम्हइं (ब) तुम्हह

(स) तुज्झे (द) यूयम्

१५ ‘वे सब’ स्त्रीलिंग प्रथमा विभक्ति बहु वचनका रूप है-

(अ) ताउ (ब) तेम्हि

(स) तेहु (द) तेहे

१६ वर्तमान काल के उत्तमपुरुष एकवचन में प्रयुक्त होने वाले प्रत्यय हैं-

(अ) उं, मि (ब)उं मी

(स) मि हं (द) उं मु

१७ वर्तमान काल उत्तमपुरुष बहु वचनमें प्रयुक्त होने वाले प्रत्यय हैं-

(अ) ए मि मो (ब) ऐ मे इ

(स) मो म मि (द) मो मु म

१८ ‘मैं बैठता हूँ’ का अपभ्रंश अनुवाद है-

(अ) हउं ठामो (ब) हउं ठाहुं

(स) हउं ठाम (द) हउं ठाउं

१९ 'तुम सब हँसते हो' का अपभ्रंश अनुवाद है-

(अ) तुम्हे हसेसि (ब) तुम्हइं हसहि

(स) तुम्हे हसह (द) तुम्हइं हससे

२० वर्तमान काल के मध्यम पुरुष बहु वचनमें प्रयुक्त होने वाले प्रत्यय हैं-

(अ) ह सि से (ब) हु ह इत्था

(स) हि सि से (द) हु ह इत्था

२१ विधि एवं आज्ञा के उत्तमपुरुष एकवचन में प्रयुक्त होनेवाले प्रत्यय हैं-

(अ) मु (ब) मो

(स) ऐ (द) ई

२२ विधि एवं आज्ञा के उत्तमपुरुष बहु वचनमें प्रयुक्त होने वाला प्रत्यय है-

(अ) ई (ब) मु

(स) ऐ (द) मो

२३ संयुक्ताक्षर के पहले यदि दीर्घ स्वर हो तो दीर्घ स्वर का होगा-

(अ) दीर्घ (ब) दीर्घ व ह्रस्व

(स) ह्रस्व (द) ह्रस्व व दीर्घ

२४ 'जानना' क्रिया के लिए उपयुक्त धातु है-

(अ) ज्ञा (ब) जाण

(स) सुझ (द) जान

२५ 'बुलाना' क्रिया के लिए उपयुक्त धातु है-

(अ) कोक (ब) कुक

(स) बुल्ल (द) आहु ल

२६ 'प्रणाम' क्रिया के लिए उपयुक्त धातु है-

(अ) नम (ब) पण

(स) णम (द) पणम

२७ 'जानना' क्रिया के लिए उपयुक्त धातु है-

(अ) विण्णा (ब) विण

(स) ज्ञाण (द) विज्ञा

२८ 'क्षमा करना' क्रिया के लिए उपयुक्त धातु है-

(अ) क्षमा (ब) खमा

(स) खम (द) क्षम

२९ 'रोकना क्रिया के लिए उपयुक्त धातु है-

(अ) रोक्क (ब) रुक्क

(स) धम्म (द) रोक

३० 'शांत होना' क्रिया के लिए उपयुक्त धातु है-

(अ) उपशन्त (ब) उपसम

(स) उवशंत (द) उवसम

३१ 'दु:खी होना' शब्द के लिए उपयुक्त धातु है-

(अ) किलेस (ब) कीलिस

(स) किलिस (द) किलस

३२ 'खरीदना' क्रिया के लिए उचित धातु है-

(अ) कीण (ब) किण

(स) किण्ण (द) कण्ण

३३ 'भेजना' क्रिया के लिए उचित धातु है-

(अ) भेज (ब) भग

(स) पेस (द) भेज्ज

३४ 'धान' के लिए उचित शब्दरूप है-

(अ) धण (ब) धन्न

(स) धण्ण (द) अण्ण

३५ 'वस्त्र' के लिए उचित शब्दरूप है-

(अ) पड (ब) वत्थ

(स) चिड (द) वसन

३६ पुत्र शब्द के लिए उचित शब्दरूप है-

(अ) सुणु (ब) सुणू

(स) सुण (द) सूणु

३७ 'स्तुति' के लिए उपयुक्त रूप है-

(अ) थूति (ब) थुति

(स) थुत (द) थुण

३८ निम्न में से अकर्मक क्रिया का उदाहरण है-

(अ) चुअ (ब) पढ

(स) थुण (द) कीण

३९ वारि शब्द का लिंग है-

(अ) पुल्लिंग (ब) नपुंसकलिंग

(स) स्त्रीलिंग (द) उभयलिंग

४० 'कमल का फूल' में कमल शब्द है-

(अ) नपुंसकलिंग (ब) पुल्लिंग

(स) स्त्रीलिंग (द) उभयलिंग

४१ 'उसका पुत्र मुझको बुलाता है' (स्त्री.ऋ) वाक्य का अपभंश अनुवाद है-

(अ) त पुत्त हउं कोकइ (ब) त पुत्त मइं कोकइ

(स) ता पुत्तो मइं कोकइ (द) ता पुत्तो मउं कोकइ

४२ 'असधातु' वर्तमानकाल, मध्यमपुरुष, एकवचन के स्थान पर प्रयोग होगा-

(अ) म्हो (ब) म्ह

(स) सि (द) म्हि

४३ असधातु, वर्तमानकाल, उत्तमपुरुष, बहु वचनके स्थान पर प्रयोग होगा-

(अ) म्हि (ब) सि

(स) म्हे (द) म्ह

४४ 'वत्थुहि सोक्ख हवइ' वाक्य का हिन्दी अनुवाद है-

(अ) वस्तुओं से सुख मिलता है। (ब) वस्तु में सुख होता है।

(स) वस्तु से सुख मिलता है। (द) वस्तुओं में सुख होता है।

४५ 'हे साहू तुम्हे उज्जमह' वाक्य का हिन्दी रूपान्तरण होगा-

(अ) हे साधुओं तुम प्रयास करो। (ब) हे साधुओं! तुम सब प्रयास करते हो।

(स) हे साधु! आप प्रयास करते हो। (द) हे साधुओं आप सब प्रयास करते हो।

४६ 'हे पुत्ती तुम्हे हरिसहु' वाक्य का हिन्दी रूपान्तरण होगा-

(अ) हे पुत्री तुम प्रसन्न हो जाओगी। (ब) हे पुत्रियों तुम सब प्रसन्न होती हो।

(स) हे पुत्री तुम प्रसन्न रहो। (द) हे पुत्रियों तुम सब प्रसन्न हो जाओगी।

४७ 'गामणी' शब्द है-

(अ) ईकारांत पुल्लिंग (ब) ईकारांत नपुंसकलिंग

(स) ईकारांत स्त्रीलिंग (द) ईकारांत उभयलिंग

४८ हरि शब्द है-

(अ) इकारांत पुल्लिंग (ब) इकारांत स्त्रीलिंग

(स) इकारांत नपुंसकलिंग (द) इकारांत उभयलिंग

४९ हरि शब्द तृतीया विभक्ति बहु वचनका रूप है-

(अ) हरीहुं (ब) हरीहिं

(स) हरिहं (द) हरिहे

५० देव शब्द तृतीया विभक्ति बहु वचनका रूप है-

(अ) देवे (ब) देवहं

(स) देवहो (द) देवाहिं

५१ अन्य सर्वनाम का उदाहरण है-

(अ) सत्वा (ब) कवणा

(स) त (द) एता

५२ विशेषण अधीन होता है-

(अ) संज्ञा के (ब) क्रिया के

(स) विशेष्य के (द) संज्ञा व विशेष्य के

५३ अपभ्रंश भाषा व्याकरण में विशेषण के भेद माने गये हैं-

(अ) चार (ब) पाँच

(स) आठ (द) तीन

५४ विशेषण शब्द व्याख्या करता है-

(अ) संज्ञा की (ब) विशेष्य की

(स) वस्तु की (द) सर्वनाम की

५५ क्रिया शब्द बतलाता है-

(अ) वस्तु के सम्बन्ध में (ब) कर्ता के सम्बन्ध में

(स) वस्तु या व्यक्ति के सम्बन्ध में (द) कर्म के सम्बन्ध में

५६ अपभ्रंश भाषा में क्रियाओं के प्रकार होते हैं-

(अ) दो (ब) तीन

(स) एक (द) चार

५७ अपभ्रंश में काल के भेद माने गये हैं-

(अ) चार (ब) तीन

(स) पाँच (द) दो

५८ कर्तृवाच्य बनता है-

(अ) सकर्मक क्रिया से (ब) अकर्मक क्रिया से

(स) सकर्मक व अकर्मक से (द) क्रिया का प्रयोग नहीं होता

५९ अपभ्रंश भाषा में सर्वनाम के भेद हैं-

(अ) ५ (ब) ४

(स) ८ (द) ३

६० 'मैं हँसता हूँ' यहाँ मैं शब्द है-

(अ) प्रथम पुरुष सर्वनाम (ब) उत्तमपुरुष सर्वनाम

(स) मध्यम पुरुष सर्वनाम (द) अन्य पुरुष सर्वनाम

६१ वर्तमान काल के मध्यम पुरुष बहु वचनमें प्रयुक्त होनेवाले प्रत्यय हैं-

(अ) ह सि से (ब) हु ह इत्था

(स) हि सि से (द) हु इ इत्था

६२ वर्तमान काल के अन्य पुरुष एकवचन में प्रयुक्त होने वाले प्रत्यय हैं-

(अ) अ ए (ब) अ उ

(स) इ ए (द) इ ए

६३ वर्तमान काल के अन्यपुरुष बहु वचनमें प्रयुक्त होने वाले प्रत्यय हैं-

(अ) हिं इरे ऐ न्ति (ब) इरे न्ते हिं ई

(स) हिं इरे अरे न्ते (द) हिं न्ति न्ते इरे

६४ वर्तमान काल मध्यम पुरुष बहु वचनका प्रत्यय है-

(अ) हे (ब) ह

(स) हिं (द) हि

६५ वर्तमान काल उत्तमपुरुष बहु वचनका प्रत्यय है-

(अ) ऐ (ब) मि

(स) म (द) इरे

६६ 'नाचना' क्रिया के लिए धातु है-

(अ) नच्च (ब) णच्च

(स) णच (द) नच

६७ घूमना क्रिया के लिए धातु है-

(अ) घुम्म (ब) घूम्म

(स) घुम (द) घूव

६८ 'नहाना' क्रिया के लिए अपभ्रंश शब्द है-

(अ) ण्ह (ब) न्हा

(स) णाह (द) ण्हा

६९ भविष्य काल के उत्तमपुरुष एकवचन में प्रत्यय जोड़े जाते हैं-

(अ) सि हि (ब) स हि

(स) हु मो (द) उं मि

७० 'वह हँसेगी' का अपभ्रंश अनुवाद है-

(अ) सा हसेहिए (ब) सा हसेहिहिं

(स) सा हसेविए (द) सा हसेहि

७१ 'कौन डरता है' का हिन्दी अनुवाद है-

(अ) कवणु डरइ (ब) कुण डरइ

(स) कुण भिभइ (द) कवणु भिभइ

७२ सव्व शब्द, पुल्लिंग, पंचमी विभक्ति बहु वचन का रूप होगा-

(अ) सव्वहं (ब) सव्वाहुं

(स) सव्वाहं (द) सव्वाहिं

७३ नपुंसकलिंग सव्व शब्द तृतीया विभक्ति बहु वचनका रूप होगा-

(अ) सव्वेहिं (ब) सव्वाहं

(स) सव्वहं (द) सवाहिं

७४ स्त्रीलिंग, कवणा शब्द, पंचमी एकवचन का रूप होगा-

(अ) कवणाहु (ब) कवणाहे

(स) कवणओ (द) कवणाओ

७५ स्त्रीलिंग 'अमु शब्द' तृतीया एकवचन का रूप होगा-

(अ) अमू (ब) अमुहिं

(स) अमूए (द) ओइ

७६ निम्न में से अकर्मक धातु है-

(अ) रोक्क (ब) रक्म

(स) विण्णा (द) सोह

७७ निम्न में से अकर्मक धातु है-

(अ) वंद (ब) उज्जम

(स) देख (द) कोक

७८ निम्न में से अकर्मक धातु है-

(अ) देख (ब) जय

(स) सेव (द) उच्छइ

७९ निम्न में से अकर्मक धातु है-

(अ) अच्छ (ब) पणम

(स) वंद (द) सेव

८० निम्न में से अकर्मक धातु है-

(अ) देख (ब) जय

(स) अच्छ (द) पणम

८१ 'सो नरिंदहुं गंथ पढइ' वाक्य का हिन्दी रूपान्तर है-

(अ) वह राजा की पुस्तक पढ़ता है। (ब) वह राजाओं के लिए पुस्तक पढ़ता है।

(स) वह राजा को पुस्तक पढ़ाता है। (द) वह राजाओं से पुस्तक पढ़ता है।

८२ 'सो धेणुहे तिण खणइ' वाक्य का हिन्दी रूपान्तर है-

(अ) वह गाय के लिए घास खरीदता है। (ब) वह गाय को घास खिलाता है।

(स) वह गाय के लिए घास खोदता है। (द) वह गाय के लिए घास खोदती है।

८३ 'कमल के फूल से जल टपकता है' वाक्य का अपभ्रंश अनुवाद है-

(अ) कमलहे वारि चुअइ (ब) कमलाहे वारी चूई

(स) कमलहुं वारि चुएह (द) कमलहें वारि चुइ

८४ 'वह स्वामियों से डरता है' वाक्य का अपभ्रंश अनुवाद है-

(अ) सो सामिउ डरए (ब) सो सामिहुं डरइ

(स) सो सामिं बिभइ (द) सो सामिहे भिभई

८५ 'हउं साहु हेपढउं' वाक्य का हिन्दी अनुवाद है-

(अ) मैं साधु को पढ़ाता हूँ। (ब) मैं सासु को पढ़ाता हूँ।

(स) मैं साधु से पढ़ता हूँ। (द) मैं सासु से पढ़ता हूँ।

८६ 'वस्तु से लोभ उत्पन्न होता है' वाक्य का अपभ्रंश अनुवाद है-

(अ) वत्थूहे लोभ उप्पल्लइ (ब) वत्थूहे लोह उप्पज्जेइ

(स) वत्थुहे लोभ उप्पज्जइ (द) वत्थुहे लोहो उप्पज्जेइ

८७ 'पुल' शब्द के लिए उचित अपभ्रंश रूप है-

(अ) सेहु (ब) सेहू

(स) सेतु (द) सेउ

८८ 'निकलना' शब्द के लिए उचित धातु रूप है-

(अ) णीसर (ब) णिसर

(स) निसर (द) नीसर

८९ 'बहिन का धन बढ़ता है' वाक्य का अपभ्रंश अनुवाद है-

(अ) ससा धण वड्ढइ (ब) ससाए धण वड्ढइ

(स) ससाहु धण वड्ढइ (द) सस धण वड्ढइ

९० 'वत्थु णाण फुरइ' वाक्य का हिन्दी अनुवाद है-

(अ) वस्तु का ज्ञान बढ़ता है। (ब) वस्तु से ज्ञान बढ़ता है।

(स) वस्तु से ज्ञान प्रकट होता है। (द) वस्तु का ज्ञान प्रकट होता है।

९१ हरि शब्द, पंचमी विभक्ति एकवचन का रूप है-

(अ) हरीहिं (ब) हरिहिं

(स) हरिहुं (द) हरिहे

९२ गामणी शब्द, सप्तमी विभक्ति एकवचन का रूप है-

(अ) गामणीहि (ब) गामणी

(स) गामणीहुं (द) गामणिहे

९३ साहु शब्द तृतीया विभक्ति एकवचन का रूप है-

(अ) साहु एं (ब) साहु हिं

(स) साहू (द) साहू हिं

९४ निम्न में से सयंभू शब्द तृतीया विभक्ति एकवचन का रूप कौनसा नहीं है-

(अ) सयंभूएं (ब) संयभूहिं

(स) सयंभू (द) सयंभुणं

९५ निम्र में से कमल शब्द तृतीया विभक्ति बहु वचनका रूप कौनसा नहीं है-

(अ) कमलाहिं (ब) कमलहिं

(स) कमलेणं (द) कमलेहिं

९६ निम्र में से कमल शब्द द्वितीया विभक्ति बहु वचनका रूप कौनसा नहीं है-

(अ) कमल (ब) कमला

(स) कमलइं (द) कमलहं

९७ निम्न में से वारि शब्द सप्तमी विभक्ति बहु वचनका रूप कौनसा नहीं है-

(अ) वारिहिं (ब) वारीहे

(स) वारीहिं (द) वारीहुं

९८ निम्र में से वारि शब्द तृतीया विभक्ति एकवचन का रूप कौनसा नहीं है-

(अ) वारिएं (ब) वारिण

(स) वारीणं (द) वारी

९९ महु शब्द नपुंसकलिंग पंचमी विभक्ति एकवचन का रूप है-

(अ) महु हि महू हि (ब) मुह, महू

(स) महु हुं महू हुं (द) महु हे मूहहे

१०० कहा शब्द प्रथमा एकवचन का उदाहरण है-

(अ) कहा (ब) कहाए

(स) कथ: (द) कहाओ

१०१ 'पति' शब्द का अपभ्रंश रूप है-

(अ) पइ (ब) पत्ती

(स) पउ (द) पिउ

१०२ पुल के लिए अपभंश शब्द है-

(अ) पुल्ल (ब) सेउ

(स) पूव (द) सेतु

१०३ निम्न में से सकर्मक क्रिया नहीं है-

(अ) झा (ब) मुण

(स) गल (द) खण

१०४ निम्र में से सकर्मक धातु नहीं है-

(अ) वद्धाव (ब) पणम

(स) धोअ (द) उड्ड

१०५ सन्धि का अर्थ है-

(अ) दो वाक्यों का मेल (ब) दो अक्षरों या वर्णों का मेल

(स) दो शब्दों का मेल (द) दो पदों का मेल

१०६ अपभंश भाषा में सन्धि के प्रकार होते हैं-

(अ) पाँच (ब) चार

(स) तीन (द) दो

१०७ दीर्घ सन्धि का एक प्रकार है-

(अ) स्वर सन्धि (ब) व्यंजन सन्धि

(स) अव्यय संधि (द) असमान स्वर सन्धि

१०८ अ + इ = ?

(अ) अइ (ब) ई

(स) ऐ (द) ए

१०९ होइ + इह का सन्धिरूप होगा-

(अ) होईह (ब) होइह

(स) होएह (द) होइ इह

११० लच्छीए + आणंदो का सन्धिरूप होगा-

(अ) लच्छीए आणंदो (ब) लच्छीआणंदो

(स) लच्छीयाणंदो (द) लच्छवाणंदो

१११ 'किंति' शब्द में प्रयुक्ति सन्धि है-

(अ) लोप विधान सन्धि (ब) अव्यय संधि

(स) दीर्घ संधि (द) असमान स्वर संधि

११२ तहात्ति शब्द में प्रयुक्त संधि है-

(अ) दीर्घ (ब) लोप विधान

(स) असमान स्वर संधि (द) अव्यय संधि

११३ कर्तृवाच्य की संरचना के लिए वाक्य में होना आवश्यक है-

(अ) कर्ता व सर्वनाम (ब) सर्वनाम व विशेषण

(स) कर्ता व क्रिया (द) विशेषण व क्रिया

११४ निम्न में से कौनसा कथन असत्य है-

(अ) कर्तृवाच्य की संरचना के लिए वाक्य में कर्ता व क्रिया इन दो पदों का होना आवश्यक है

(ब) कर्तृवाच्य में कर्ता, सर्वनाम या संज्ञा या दोनों किसी भी रूप में प्रयुक्त हो सकते हैं।

(स) कर्तृवाच्य में कर्ता सदैव प्रथमा विभक्ति में प्रयुक्त नहीं होता

(द) कर्तृवाच्य में क्रिया कर्ता के पुरुष एवं वचन के अनुसार प्रयुक्त होती है।

११५ अफसोस करना के लिए उपयुक्त धातु है-

(अ) खिन्न (ब) खिज्ज

(स) खीज (द) खिण्ण

११६ तणिया शब्द का उपयुक्त अर्थ है-

(अ)तकीया (ब) पोती

(स) बहु (द) बेटी

११७ 'णह' शब्द का उपयुक्त अर्थ है-

(अ) नदी (ब) नहर

(स) आकाश (द) नल

११८ 'वह राज्य को जीतता है' वाक्य का अपभ्रंश अनुवाद है-

(अ) सो रज्ज जयइ (ब) सो रज्जा जयउ

(स) सो रज्ज जयई (द) सो रज्जा जयऊ

११९ 'मैं बालक के लिए दूध देती हूँ' वाक्य का अपभ्रंश रूप है-

(अ) हउं बालआ खिरा दामि (ब) हउं बालअसु खीर दामु

(स) हउं बालआ खिर दामि (द) हउं बालअसु खीरा दामि

१२० हड्डी शब्द का अपभ्रंश रूप है-

(अ) अ_ी (ब) अ_ि

(स) हडी (द) ह_ी

१२१ पक्षी शब्द का अपभ्रंश रूप है-

(अ) पक्खि (ब) पखी

(स) खमी (द) खमु

१२२ 'खिलना' क्रिया का अपभ्रंश रूप है-

(अ) लिसत (ब) विलस

(स) विअस (द) लिअस

१२३ 'साधु घूमेंगे' वाक्य का अपभ्रंश अनुवाद है-

(अ) साहू घुमेसहिं (ब) साहू घुमेसहिं

(स) साहु घुमेसेहिं (द) साहु घुमेसेन्ति

१२४ 'आँसू गिरे' विधि एवं आज्ञा में वाक्य का अपभ्रंश अनुवाद होगा-

(अ) अंसू पडेऊ (ब) अंसु पडेउ

(स) अंसू पडिउ (द) अंसु पड्डउ

१२५ 'हाथी' शब्द का अपभ्रंश रूप है-

(अ) करिणु (ब) करेणु

(स) करी (द) करीण

१२६ आचार्य शब्द का अपभ्रंश रूप है-

(अ) आयरिय (ब) आर्य

(स) आर्यउ (द) आयरियाणं

१२७ 'देवर' शब्द का अपभ्रंश रूप होगा-

(अ) दियर (ब) दीयर

(स) देवयर (द) दीऊ

१२८ 'तण्हा' शब्द का हिन्दी अनुवाद है-

(अ) दु:ख (ब) तृष्णा

(स) तन्हा (द) ठण्ड

१२९ 'कुज्ज' शब्द का हिन्दी रूप होगा-

(अ) कोसना (ब) बुलाना

(स) कपड़ा (द) क्रोधित होना

१३० 'जीवन में दु:ख होता है' वाक्य का अपभं्रश अनुवाद है-

(अ) जीवणि दुहु अत्थि (ब) जीवणे दुहा होसइ

(स) जीवणि दुहु हवइ (द) जीवणि दुह हवदि

१३१ व्याकरण शास्त्र में कृदन्तों की संख्या मानी जाती है-

(अ) ५ (ब) ४

(स) ३ (द) ६

१३२ विधि कृदन्त का प्रयोग होता है-

(अ) कर्तृवाच्य में (ब) कर्मवाच्य में

(स) भाववाच्य में (द) तीनों में

१३३ भूतकालिक एवं विधि कृदन्त का प्रयोग होता है-

(अ) कर्तृवाच्य में (ब) कर्मवाच्य में

(स) भाववाच्य में (द) तीनों में

१३४ निम्न में से सम्बन्धक भूत कृदन्त नहीं है-

(अ) एप्पि (ब) एवि

(स) एविणु (द) दूण

१३५ निम्न में से सम्बन्धक भूत कृदन्त नहीं है-

(अ) इउ (ब) इ

(स) एवि (द) ऊण

१३६ 'मैं हँसकर जीवूँगा' वाक्य का अनुवाद नहीं है-

(अ) हउं हसेप्पिणु जीवेसउं (ब) हउं हसिउ जीवेसमि

(स) हउं हसिवि जीविहिमि (द) हउं हसिदूण जीविहिउं

१३७ 'तुम नाचकर थको' वाक्य का अपभ्रंश अनुवाद नहीं है-

(अ) तुहुं णच्चि थक्कि (ब) तुहुं णच्चिउ थक्के

(स) तुहुं णच्चवि थक्कु (द) तुहुं णच्चिऊण थक्कि

१३८ 'लडऩा' क्रिया के लिए उपयुक्त धातु है-

(अ) जुज्झ (ब) लुज्झ

(स) कुज्झ (द) युज्झ

१३९ 'बुक्क' शब्द का हिन्दी रूपान्तर है-

(अ) घूरना (ब) काटना

(स) भौंकना (द) चिल्लाना

१४० 'कंद' शब्द का हिन्दी रूप है-

(अ) रोना (ब) डरना

(स) सहमना (द) कांपना

१४१ व्यंजनाक्षर का उदाहरण है-

(अ) ऊ (ब) ङ

(स) आ (द) ई

१४२ अपभ्रंश की वर्णमाला में स्वरों की संख्या है-

(अ) १२ (ब) ९

(स) ८ (द) ५

१४३ अपभ्रंश भाषा में लिंग होते हैं-

(अ) तीन (ब) दो

(स) एक (द) चार

१४४ सामान्यतया अकारान्त शब्द होते हैं-

(अ) पुल्लिंग (ब) नपुंसकलिंग, स्त्रीलिंग

(स) स्त्रीलिंग (द) पुल्लिंग व नपुंसकलिंग

१४५ अपभ्रंश में वचन होते हैं-

(अ) एकवचन (ब) बहु वचन

(स) एकवचन बहु वचन (द) एकवचन, द्विवचन, बहु वचन

१४६ अपभ्रंश व्याकरण के संज्ञा शब्दों में प्रयुक्त होने वाली विभक्तियाँ होती हैं-

(अ) ८ (ब) ७

(स) ६ (द) ४

१४७ अपभ्रंश व्याकरण के सर्वनाम शब्दों में प्रयुक्त होनेवाली विभक्तियाँ होती हैं-

(अ) ६ (ब) ७

(स) ८ (द) विभक्तियों का प्रयोग नहीं होता

१४८ अमु शब्द है-

(अ) निश्चयवाचक सर्वनाम (ब) सम्बन्धवाचक सर्वनाम

(स) प्रश्नवाचक सर्वनाम (द) अन्य सर्वनाम

१४९ निजवाचक सर्वनाम का उदाहरण है-

(अ) आया (ब) स्वयं

(स) इम (द) हउं

१५० सम्बन्धवाचक सर्वनाम का उदाहरण है-

(अ) जा (ब) अमु

(स) इयरा (द) अप्प

उत्तरमाला-

१	ब	११	स	२१	अ	३१	द	४१	स
२	स	१२	ब	२२	द	३२	अ	४२	स
३	अ	१३	अ	२३	स	३३	स	४३	द
४	द	१४	अ	२४	ब	३४	ब	४४	ब
५	स	१५	अ	२५	अ	३५	अ	४५	द
६	अ	१६	अ	२६	द	३६	स	४६	ब
७	ब	१७	द	२७	अ	३७	द	४७	अ
८	अ	१८	द	२८	स	३८	अ	४८	अ
९	ब	१९	स	२९	अ	३९	ब	४९	ब
१०	अ	२०	अ	३०	द	४०	अ	५०	द
५१	अ	६१	ब	७१	अ	८१	द	९१	द
५२	स	६२	द	७२	ब	८२	स	९२	अ
५३	द	६३	द	७३	अ	८३	अ	९३	अ
५४	अ	६४	ब	७४	ब	८४	ब	९४	ब
५५	स	६५	स	७५	स	८५	स	९५	स
५६	अ	६६	ब	७६	द	८६	स	९६	द
५७	अ	६७	स	७७	ब	८७	द	९७	ब
५८	स	६८	द	७८	द	८८	अ	९८	द
५९	अ	६९	ब	७९	अ	८९	अ	९९	द
६०	ब	७०	अ	८०	स	९०	द	१००	अ
१०१	अ	१११	ब	१२१	अ	१३१	अ	१४१	ब
१०२	ब	११२	द	१२२	स	१३२	स	१४२	स
१०३	स	११३	स	१२३	अ	१३३	ब	१४३	अ
१०४	द	११४	स	१२४	ब	१३४	द	१४४	द
१०५	ब	११५	ब	१२५	ब	१३५	द	१४५	स
१०६	स	११६	द	१२६	अ	१३६	द	१४६	अ
१०७	अ	११७	स	१२७	अ	१३७	द	१४७	ब
१०८	द	११८	अ	१२८	ब	१३८	अ	१४८	अ
१०९	द	११९	द	१२९	द	१३९	स	१४९	ब
११०	अ	१२०	ब	१३०	स	१४०	अ	१५०	अ